चातुर्मास २०२५ हेतु वैयक्तिक साधनाएँ

प्रिय साधकगण,

चातुर्मास एक पवित्र अवसर है जो गहन साधना और तपश्चर्या के लिए समर्पित होता है। यह अवधि इस वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा, १० जुलाई २०२५ (गुरुपूर्णिमा) से आरंभ होकर भाद्रपद पूर्णिमा, ६ सितम्बर २०२५ को संपन्न होगी। यह कालखंड अपने सद्गुरु के मार्गदर्शन में आध्यात्मिक साधना के लिए विशेष रूप से अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। इस अवधि में वातावरण में एक विशेष स्निग्धता रहती है जो साधकों को अधिक ध्यानयोग्य, चिन्तनशील एवं अंतर्मुख बनाती है। नैसर्गिक वातावरण भी सांसारिक प्रवृत्तियों को आध्यात्मिक साधना में रूपांतरित करने के लिए यह समय अनुकूल माना जाता है।

इस वर्ष श्री चित्रापुर मठाधीश परम पूज्य श्रीमत् सद्योजात शंकराश्रम स्वामीजी श्री चित्रापुर मठ, शिराली में चातुर्मास व्रत का आचरण कर रहे हैं।

आइए, हम साधक संकल्प लें कि अपने आत्मिक उत्कर्ष, मठ एवं समाज की समृद्धि हेतु निम्नलिखित वैयक्तिक साधनाओं का निष्ठा से आचरण करेंगे:

१. अपने दैनिक मंत्र जप माला की संख्या दुगुनी करें।

२. श्री सुब्रह्मण्य भुजंग स्तोत्र एवं /अथवा श्री गुरु भजन स्तोत्र का प्रतिदिन पाठ या श्रवण करें।

३. परम पूज्य स्वामीजी द्वारा सिखाई गई ध्यान प्रक्रिया का प्रतिदिन १५-३० मिनट का अभ्यास करें।

४. प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को श्री देवी अनुष्ठान करें।

समाज द्वारा इन वैयक्तिक साधनाओं के आचरण हेतु परम पूज्य स्वामीजी ने अनुमोदन एवं आशीर्वाद प्रदान किये हैं।

....

साधना संसाधन:

१. श्री सुब्रह्मण्य भुजंग स्तोत्र एवं ध्यान:

- पीडीएफ: https://www.chitrapurmath.net/short/SSBS
- स्वाध्याय के चार सत्र : https://www.chitrapurmath.net/short/Sw

२. श्री गुरु भजन स्तोत्र:

- पीडीएफ: https://www.chitrapurmath.net/short/SGBS
- ऑडियो: https://www.chitrapurmath.net/short/SGBSa

३. श्री देवी अनुष्ठान:

- पीडीएफ निर्देशिका: https://www.chitrapurmath.net/short/ShriDeviAnushthanaInstructionalp
- वीडियो: परम पूज्य स्वामीजी द्वारा मार्गदर्शन: https://youtu.be/vXmTBMubgFU
- वीडियो: श्री देवी अनुष्ठान में सन्निहित मंत्र: https://youtu.be/OZHBQgZg_Uo